संक्षिप्त समाचार

आदेश गुप्ता ने कहा -दिल्ली सरकार ऑक्सीजन वितरण पर श्वेत पत्र जारी करे

नई दिल्ली, 2 मई (ए)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आज फिर दिल्ली के बत्रा अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के चलते 8 मरीजों की मौत पर दुख जताया है और कहा है कि दिल्ली शर्मसार है कि संकट के दस दिन बाद भी आज तक राजधानी दिल्ली में मरीज ऑक्सीजन की कमी के कारण मर रहे हैं। गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार ने एक ओर ना तो आज तक दिल्ली को मिला ऑक्सीजन का अतिरिक्त कोटा उठाना शुरू किया है, वहीं दूसरी ओर सरकार ने दिल्ली में अनेक ऑक्सीजन के निजी प्लांट अधिग्रहित किये पर उनके ऑक्सीजन के वितरण की कोई ठीक व्यवस्था नहीं की है। केजरीवाल सरकार की इसी लापरवाही के चलते अस्पतालों में भर्ती मरीज हों या होम आइसोलेशन के मरीज सभी के लिये ऑक्सीजन संकट बना हुआ है। आदेश गुप्ता ने कहा है कि जहाँ आक्सीजन की कमी तो जग जाहिर है ही मेरी जानकारी अनुसार दिल्ली सरकार अपने बड़े अस्पताल लोक नायक एवं जीटीबी में तो अतिरिक्त गैस लाने के लिये आक्सीजन सिलेंडर तक नहीं हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने मांग की है कि केजरीवाल सरकार अविलंब दिल्ली की आक्सीजन वितरण स्थिति पर श्वेत पत्र रखे।

अफगानिस्तान सेना में मेजर जनरल के पद से रिटायर की दिल्ली में हुई मौत

नई दिल्ली, 2 मई (ए)। अफगानिस्तान सेना में मेजर जनरल के पद पर रिटायर एक शख्स की नबी करीम के होटल में मौत हो गई। उनके परिवार ने यहां आने में असमर्थता जाहिर की, जिसके बाद पुलिस ने पूरे सम्मान के साथ दिल्ली गेट स्थित कब्रिस्तान में उनकी अंतिम क्रिया पूरी की। मृतक की पहचान मोहम्मद रहीम वर्धक के तौर पर हुई, जो अफगानिस्तान सेना में कई पदक जीत चुके थे। पुलिस के मुताबिक अफगानिस्तान निवासी मोहम्मद रहीम वर्धक की पत्नी को कैंसर की शिकायत थी। इसलिए यहां वह पत्नी के कैंसर का इलाज कराने आए थे। उनकी पत्नी का अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा था और वह 20 मार्च से नबी करीम के एक होटल में ठहरे हुए थे। 21 अप्रैल को उनकी पत्नी कोवरा वर्धक कोरोना से संक्रमित हो गईं। इसकी पुष्टि उनके टेस्ट से हुई थी, लेकिन रहीम ने अपना टेस्ट नहीं कराया था। 23 अप्रैल को पुलिस को इस मामले की सूचना मिली थी। पुलिस को जांच में पता चला कि 24 अप्रैल को अफगान दूतावास की मदद से उनकी पत्नी वापस लौट गई हैं। उनके परिवार के बारे में अफगानिस्तान दूतावास की मदद से जानकारी जुटाने की कोशिश की और उनके बेटे नासिर से संपर्क किया। उसने बताया कि वह अपने पिता के अंतिम संस्कार के लिए भारत आने में असमर्थ है। इसलिए उनका अंतिम संस्कार कर दिया जाए या अफगानिस्तान दूतावास की तरफ से मेजर अतिकुल रहमान को अंतिम संस्कार के लिए भेजा गया। जिसके बाद पुलिस ने पूरी प्रक्रिया के साथ उनका अंतिम संस्कार करवाया। मृतक मोहम्मद रहीम अफगानिस्तान सेना में मेजर जनरल के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। वह अफगानिस्तान के एक कबीले के नेता भी थे। उनके शव का टेस्ट कराने पर पता चला वह भी कोरोना से संक्रमित थे।

गुड़गांव के कीर्ति अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने से छह पेशेंट की मौत

गुरुग्राम, 2 मई (ए)। गुड़गांव में प्रशासनिक अधिकारियों के ऑक्सीजन मुहैया करवाने के दावे शनिवार को धरे के धरे रह गए। सेक्टर-56 स्थित कीर्ति अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने से छह मरीजों ने दम तोड़ दिया। इससे पहले गुड़गांव के खांडसा रोड स्थित कधूरिया अस्पताल में भी इसी सप्ताह चार लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा रेवाड़ी जिला के एक अस्पताल में भी 16 पेशेंट की मौत ऑक्सीजन की कमी से हो गई थी। जिला में छह पेशेंट की मौत होने के मामले में अधिकारियों की कार्यशैली पर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं। कधूरिया अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने से चार पेशेंट की मौत के मामले में गुड़गांव के एसडीएम जितेन्द्र कुमार को जांच सौंपी गई है, लेकिन अभी तक जांच भी शुरू नहीं हो पाई है कि शनिवार को ऑक्सीजन खत्म होने से छह पेशेंट की सांसें थम गई। पेशेंट के परिजनों का आरोप है कि ऑक्सीजन खत्म होने के बाद जब पेशेंट सांसों के लिए तड़पने लगे तो अस्पताल का स्टाफ लाइटें बंद कर फरार हो गया। वहीं जब इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन से बात करने का प्रयास किया तो वे संपर्क नहीं हो पाया। गुड़गांव के अस्पतालों में ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद भी हालात नहीं सुधरे हैं। कोरोना संक्रमण के बीच ऑक्सीजन की किल्लत कम नहीं हो रही है। सच्चाई यह है कि न शवों की गिनती ही रोही है और न ऑक्सीजन की सप्लाई ठीक से हो पा रही। इस समय गुड़गांव में छोटे अस्पतालों को ऑक्सीजन सिलेंडर सप्लाई व्यवस्था चरमराई हुई है तो बढ़ती मरीजों की संख्या में ऑक्सीजन बेड ही नहीं है। आज हालत यह है कि शहर में कई हजार मरीजों को ऑक्सीजन बेड की सख्त जरूरत है लेकिन कोई विकल्प नहीं है।

दिल्ली सरकार का केन्द्र पर हमला:सीएम ने कहा -केंद्र हमें ऑक्सीजन दे हम 24 घंटे में कर देंगे नौ हजार अतिरिक्त ऑक्सीजन बेड का निर्माण

नई दिल्ली, 2 मई (ए)।

दिल्ली में चल रही ऑक्सीजन किल्लत को लेकर दिल्ली सरकार ने केन्द्र पर हमला बोला है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली को प्रतिदिन 976 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है। पर दिल्ली को 490 मीट्रिक टन का ऑक्सीजन का आवंटन हुआ है पर दिल्ली को केवल 312 मीट्रिक टन ऑक्सीजन ही दी जा रही है। इस कारण दिल्ली में ऑक्सीजन को लेकर अफरा-तफरी मची हुई है। अगर आज हमें पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल जाए, तो 24 घंटे में 9 हजार केजरीवाल ने कहा कि अगर आज हमें पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल जाए, तो 24 घंटे में 9 हजार ऑक्सीजन बेड तैयार हो जाएंगे, लेकिन हमारे पास ऑक्सीजन नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर हमें पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिलेगी, तो हम बड़े स्तर पर ऑक्सीजन बेड बढ़ा पाएंगे। मरीज को समय से ऑक्सीजन दे दी जाएगी, तो उसकी जान बच सकती है। मेरी केन्द्र से हाथ जोड़ कर विनती है कि हमारी दिल्ली को ऑक्सीजन चाहिए, हमें

ऑक्सीजन दीजिए।

केजरीवाल ने कहा कि ऑक्सीजन की कमी के चलते सभी अस्पतालों के अंदर हाहाकार मचा हुआ है, कई अस्पताल मरीजों को निकालने की बात कह रहे हैं। ऐसे में बड़ी संख्या मरीजों की मौत होगी। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में ऑक्सीजन की बहुत ज्यादा परेशानी हो रही है। चारों तरफ से अस्पतालों से एसओएस काल आ रहे हैं कि उस अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म हो गई है, उसमें आधे घंटे की ऑक्सीजन बच गई है। बहुत ज्यादा मुश्किल हालात पैदा होते जा रहे हैं। हमने कोर्ट में भी बोला है और केंद्र सरकार को भी लिखा है। अगर हमें 312 मिट्रिक ऑक्सीजन दी जाएगी, तो कैसे काम चलेगा? आज सारे अस्पतालों के अंदर हाहाकार मचा हुआ है। कई अस्पतालों ने बोला है कि उनको अपने मरीज अस्पताल से निकालने पड़ेंगे।

सीएम ने कहा कि दिल्ली को ऑक्सीजन चाहिए। मेरी अपील को जो-जो भी सुन रहा है और जिन-जिन लोगों को निर्णय लेना है, उन सभी लोगों से हाथ जोड़ कर विनती है कि हमारी दिल्ली को ऑक्सीजन चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली ऑक्सीजन का उत्पादन नहीं करता है, हम किस से ऑक्सीजन मांगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि केवल और केवल ऑक्सीजन की वजह से मरीज अस्पताल के बाहर इंतजार करने के लिए मजबूर हैं। आज हमें ऑक्सीजन दे दीजिए, यह समस्या दूर हो जाएगी। हमने राधा स्वामी सत्संग ब्यास में 5 हजार बेड की तैयारी की हुई है। वहां पर केवल 150 बेड ही चालू है, क्योंकि ऑक्सीजन ही नहीं है। हमने कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज और यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मिलाकर 1300 बेड की तैयारी की हुई है। हमने चुरड़ी अस्पताल के अंदर 2500 बेड की तैयारी की हुई है। अगर आज हमें पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल जाए, तो 9 हजार ऑक्सीजन बेड दिल्ली में 24 घंटे के अंदर तैयार हो जाएंगे, लेकिन हमारे पास ऑक्सीजन ही नहीं है। दिल्ली ऑक्सीजन का उत्पादन तो करता नहीं है, तो हम किसके पास जाएं और किस से ऑक्सीजन मांगे। लेकिन अभी हमें बहुत बड़े स्तर पर ऑक्सीजन के बेड बढ़ाने पड़ेंगे। कोरोना की इस लहर में जो भी बीमार पड़ रहा है, उसे सबसे पहले ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। उसका ऑक्सीजन का स्तर गिरता है और उसे ऑक्सीजन चाहिए। मरीज का ऑक्सीजन स्तर 90, 89 या 88 जैसे ही आया और उसे उसी समय ऑक्सीजन दे देते हैं, तो उसकी जान बच सकती है, लेकिन लोगों को ऑक्सीजन ही नहीं मिल पा रही है।

दवाइयों की कालाबाजारी करने वालों पर सरकार सख्त: केजरीवाल ने कहा कि अगर हमें ऑक्सीजन मिल जाती और इतने सारे अतिरिक्त बेड बढ़ा लेते तो एक अधिकारिक सिस्टम तैयार हो जाता। वहां पर मरीज को डॉक्टर के जरिए सभी दवाइयां भी मिल जातीं। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस द्वारा अधिक पैसा वसूलने वालों पर दिल्ली सरकार कार्रवाई कर रही है। दिल्ली सरकार की टीमें पुलिस के साथ मिल कर लगातार कार्रवाई कर रही हैं। जो भी दवाइयों की कालाबाजारी कर रहे हैं।

महिला ने फांसी के फंदे पर लटक कर की आत्महत्या

फरुर्खनगर, 2 मई (ए)। गुरुवार की रात्रि फरुर्खनगर के चांद नगर ढाणी रोड पर किराए के मकान में रह रही एक महिला ने फांसी के फंदे पर लटक कर आत्म हत्या कर ली। पुलिस ने मृतका के परिजनों की मौजूदगी में शव को उतार कर पोस्ट मार्टम के लिए मुर्दा घर भेजा । पुलिस ने मृतका के पिता के बयान पर 174 की कार्रवाई करके कार्रवाई की। मामले की जांच कर रहे सहायक उप निरीक्षक विजय कुमार के अनुसार पुलिस को रात्रि साढ़े 11 बजे सूचना मिली की वार्ड 7 में एक महिला ने सुसाइड कर लिया है। लेकिन महिला ने दरवाजे की अंदर से कुंडी लगाई हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मृतका खुशबु के परिजनों की मौजूदगी में शव को फंदे से उतारा। मौके पर पार्षद अशोक कोहली, मकान मालिक व अन्य पड़ोसी भी मौजूद थे। घटना की सभी एंगलों से जांच के लिए सीन ऑफ क्राइम की टीम ने भी जांच की। पुलिस को दिए बयान में मृतका खुशबू के पिता हीरा राम बाबू पुत्र मान सिंह निवासी खामनी उत्तर प्रदेश ने बताया कि उसकी बेटी की मानसिक हालत ठीक नहीं थी।

अब कोरोना के नाम पर फ्रॉड:मदद के नाम पर आईपीएस से ठगी

नई दिल्ली, 2 मई (ए)। आईपीएस रैंक के पुलिस अफसर से चीटिंग केस में एक नाइजीरियन मूल के नागरिक को अरेस्ट किया गया है। आरोपी ने पीड़ित के दोस्त बनकर 97 हजार रुपए ऐंठे थे। आरोपी की पहचान टचुक्कू क्रिस्टियन नवासू के तौर पर हुई है। पुलिस ने इसके पास से पांच मोबाइल, छह ड्रूकार्ड, पांच चैक बुक और एक लैपटॉप बरामद किया है। डीसीपी साउथ डिस्ट्रिक अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि 19 अप्रैल को एक सीनियर पुलिस अफसर ने 97 हजार रुपए की ठगी की शिकायत की थी। उनका करीबी दोस्त यूएसए में रहता है। उनके व्हाट्सएप नंबर से कॉल आई थी, जिससे हुई चैटिंग में इस दोस्त ने कोरोना संकट का बहाना बनाकर उनसे रुपयों की मांग की थी। दोस्त के मुसीबत में होने का पता चलने पर पीड़ित ने बिना देरी किए दिए गए अकाउंट में रकम ट्रांसफर कर दी। बाद में जब पीड़ित ने अपने दोस्त से बात की तो पता चला उसने कोई मदद नहीं मांगी थी। लिहाजा, ठगी का अहसास होने पर पुलिस को मामले की सूचना दी गई। इस बाबत डिफेंस कॉलोनी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

साइबर सेल के इंस्पेक्टर अजीत कुमार की टीम ने जांच के दौरान उस बैंक अकाउंट को तफ्तीश के दायरे में लिया, जिसमें रकम डाली गई। पुलिस ने फौरन उस बैंक अकाउंट को फ्रीज करवा दिया। व्हाट्सएप नंबर और बैंक अकाउंट में दिए गए नंबर को पुलिस ने टेक्नीकल सर्विलांस पर लिया। पता चला आरोपी की मूवमेंट छत्तरपुर और उत्तम नगर इलाके में ही रही है। आखिर में तीस अप्रैल को आरोपी को मैदानगढ़ी इलाके से दबोच लिया गया। वह पांच साल से इंडिया में रह रहा था।

फैमीपलू, ऑक्सीजन के तरह दिल्ली, ओड़िशा और पश्चिम बंगाल में गौतम गंभीर बांटेंगे मुफ्त ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

नई दिल्ली, 2 मई (ए)। पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर दिल्ली और देश भर में कोरोना संक्रमण के कारण मची अफरा तफरी में ऑक्सीजन के साथ-साथ जीवनरक्षक दवाओं की कमी को देखते हुए कुछ राज्यों में लोगों की मदद करने की तैयारी की है। गौतम गंभीर ने बताया कि जरूरतमंदों के बीच बांटने के लिए 200 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मंगवाया है।

उन्होंने कहा कि पहले हमने जिस तरह से मुफ्त ऑक्सीजन दी, उसी तरह दिल्ली, ओड़िशा और पश्चिम बंगाल में हम मुफ्त कंसंट्रेटर बांटेंगे। इस कंसंट्रेटर को कल से हम बांटना शुरू कर रहे हैं। जिनको कंसंट्रेटर की बहुत जरूरत है, हम चाहते हैं कि ये उनको मिल सके इसे बांटने के दौरान हम तो गाइडलाइन का पालन करेंगे ही, आप भी

गवर्नमेंट की गाइडलाइन फॉलो करें। कंसंट्रेटर लेने के लिए आर्थिक पिछड़ा वर्ग के जो लोग हैं उन्हें अपना कार्ड लेकर आना होगा। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि इन चीजों की कालाबाजारी हो या कोई इसे अपने घर में ही रखता रहे। सबसे बड़ी बात है कि कंसंट्रेटर जरूरतमंद को मिले। हम ऐसा जरा भी नहीं चाहते कि जिन्हें जरूरत नहीं है वे इसे लें और फिर हमें किसी के घर पुलिस भेजनी पड़े। गंभीर ने दिल्ली की व्यवस्था को देखते हुए केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आपने मोहल्ला क्लीनिक की इतनी तारीफ कर दी कि जनता को ऐसा लगने लगा कि वही क्लीनिक है। लेकिन अब इस बिगड़े हुए हालात में अब कहां हैं। कौन सा ऐसा मुख्यमंत्री है जो जनता के पैसे से महाराज से लेकर दिल्ली तक विज्ञापन चला रहा है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि अस्पतालों में तैनात इनके नोडल ऑफिसर न जनता का फोन नहीं उठाते हैं। गौतम गंभीर ने कहा कि हमको शर्म आने लगती है कि हम ज्यादा मदद नहीं कर पाते, ऐसे बुरे वक्त में मुख्यमंत्री बाहर आकर जवाब दें कि दिल्ली की ढाई करोड़ जनता के लिए ये चीजें पर्याप्त हैं? गौतम गंभीर ने कहा कि मुख्यमंत्री और एमपी को कोई दिक्कत नहीं है उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को अपने परिवार के किसी सदस्य के लिए बेड चाहिए तो किसी भी हॉस्पिटल में मिल जाएगा।

अमेरिकी पुरुषों ने गूगल पर 16.5 करोड़ बार खोजा- पत्नी को कैसे काबू करें

वेलिंगटन, 2 मई (ए)। पिछले साल जब दुनियाभर के लोग कोरोना से निपटने और जिंदगी बचाने के तरीके खोज रहे थे, पढ़ाई और बिजनेस पटरी पर लाने के लिए इनोवेशन में जुटे थे, उस दौरान अमेरिकी पुरुष गूगल पर खोज रहे थे कि पत्नी को कैसे काबू करें। उन्हें प्रताड़ित कैसे करें कि किसी को पता न चले। यह शर्मनाक खुलासा न्यूजीलैंड की ओटागो यूनिवर्सिटी की स्टडी में हुआ है।

यूनिवर्सिटी ने अमेरिका में 2020 के गूगल सर्च की ट्रैकिंग की तो ये नतीजे सामने आए। करीब 16.5 करोड़ बार तो गूगल से पूछा गया कि पत्नी को कैसे कंट्रोल करें और उनके साथ मारपीट कैसे करें कि पता न चले। हालांकि साल की शुरुआत में आई रिपोर्ट्स में यह जरूर

खुलासा हुआ था कि कोरोना के दौर में दुनियाभर में महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा बढ़ी है, पर स्थिति इतनी भयावह है, यह ताजा स्टडी से पता चला है। जर्नल टेलर एंड फ्रांसिस में प्रकाशित इस स्टडी की लेखिका कैटरिना स्टेंडिश बताती हैं कि अमेरिका आधारित इस स्टडी में रुचि को लेकर अनिश्चितता, असुरक्षा, हताशा, बेबसी, पुरुषों द्वारा की जाने वाली साकेतिक इरादे के साथ की गई हिंसा जैसे पैमाने रखे गए थे। स्टडी के अनुसार महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं 2020 में 31त से बढ़कर 106 प्रतिशत तक पहुंच गईं। कैटरिना बताती हैं कि इनसे जुड़े शब्दों को सर्च इंजन पर डालने से जो नतीजे सामने आए, उन्हें आकड़ों के रूप में हमने जस का तस रख दिया, ताकि असलियत सामने आ सके। एक तरफ तो लाखों लोग ऑनलाइन मदद की उम्मीद लगाए बैठे हैं, वहीं दूसरी तरफ इसी प्लेटफॉर्म पर घटिया मंसूबे दिख रहे हैं। कैटरिना के मुताबिक, उनका मकसद दुनिया को इस सच्चाई से रूबरू कराना था कि कोरोनाकाल में घरों में क्या घट रहा है। अमेरिका के आंकड़े तो सिर्फ बानगी है, दुनियाभर में महामारी के दौरान महिलाओं को काफी परेशानी हुई और जहां तक मेरा मानना है कि उन्हें कोई मदद भी नहीं मिली।

महिलाओं ने पुरुषों से खुद की रक्षा के लिए गूगल की मदद ली: अमेरिका समेत दुनियाभर की महिलाओं ने पुरुषों की हिंसा से बचने के लिए गूगल पर सर्च किया। स्टडी के मुताबिक अमेरिकी महिलाओं ने 122 करोड़ बार सर्च किया कि 'मदद करो।

जयशंकर ने थाईलैंड, सिंगापुर, नार्वे के विदेश मंत्रियों से बातचीत की

सिंगापुर, 2 मई (ए)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोविड-19 की दूसरी लहर से भारत की जंग को लेकर थाईलैंड, सिंगापुर और नार्वे के अपने समकक्षों के साथ टेलीफोन पर अलग अलग बातचीत की। भारत में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के कारण भारत के कई हिस्से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। थाईलैंड के विदेश मंत्री दोन पगमुदलैन्ड के साथ बातचीत के बाद जयशंकर ने कहा कि भारत को विश्वास है कि वह थाईलैंड के साथ अपनी साझेदारी पर भरोसा करना जारी रख सकता है। जयशंकर ने ट्वीट किया, कोविड-19 चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बारे में थाईलैंड के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री दोन परमुदविन्दे के साथ चर्चा की। क्रायोजेनिक टैंक एवं ऑक्सीजन से संबंधित अन्य उपकरणों की आपूर्ति की सराहना की। उन्होंने कहा, विश्वास है कि थाईलैंड के साथ अपने गठजोड़ पर भरोसा करना जारी रख सकते हैं। गौरतलब है कि थाईलैंड ने भारत को तोहफे के रूप में 15 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर की आपूर्ति की जबकि दक्षिण पूर्वी एशिया में भारतीय समुदाय के लोगों ने अलग से 15 आक्सीजन सांद्रक की खेप भेजी। दिल्ली के लिए चिकित्सा आपूर्ति रायल थाई एयर फोर्स के विमान से लाया गया और इससे भारत में थाईलैंड के दूतावास के कुछ अधिकारियों को भी ले जाया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि इंडियन एसोसिएशन आफ थाईलैंड की ओर से अलग से 100 आक्सीजन सिलिंडर की पेशकश की गई है। इनके भारत में तेजी से लाने के लिये कदम उठाये जा रहे हैं।

सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ को धमकी:लंदन में अदार पूनावाला बोले- भारत में वैक्सीन को लेकर भारी दबाव

लंदन, 2 मई (ए)। भारत के अंदर बड़ी तादाद में कोवीशील्ड वैक्सीन का उत्पादन करने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला को धमकी भरे कॉल आ रहे हैं। पूनावाला ने लंदन में टाइम्स च को दिए इंटरव्यू में आरोप लगाया कि भारत के शक्तिशाली नेता और बिजनेसमैन उन्हें फोन पर धमका रहे हैं। इनमें कुछ मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। सभी कोवीशील्ड की सप्लाई तुरंत करने की मांग कर रहे हैं।

पूनावाला को बुधवार को कैटेगरी की सिक्योरिटी मिली थी। केंद्र सरकार के अधिकारियों ने बताया था कि पूनावाला पर खतरे की आशंका को देखते हुए उन्हें सिक्योरिटी दी गई है। अब सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के 4-5 कमांडोज के साथ 11 सुरक्षाकर्मी हर वक्त पूनावाला के साथ रहेंगे। यह सिक्योरिटी कवर उन्हें पूरे देश में मिलेगा।

सभी चाहते हैं, पहले उन्हें वैक्सीन मिले: पूनावाला ने फोन कॉल का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों का इस तरह धमकी देना समझ से परे है। वैक्सीन सप्लाई को लेकर मुझ पर भारी दबाव डाला जा रहा है। उम्मीद नहीं थी कि लोग इतनी ज्यादा अपेक्षा करने लगेंगे। सभी चाहते हैं कि उन्हें पहले वैक्सीन मिले। उन्हें लगता है कि उनसे पहले किसी और को वैक्सीन नहीं मिलना चाहिए।

धमकी मिली: हमें वैक्सीन नहीं दी तो अच्छा नहीं होगा: उन्होंने आगे कहा कि फोन करने वाले कहते हैं कि अगर हमें वैक्सीन नहीं दोगे तो अच्छा नहीं होगा। ये बात करने का तरीका नहीं है, ये सीधे तौर पर धमकी है। वे समझाने की कोशिश करते हैं कि अगर मैंने उनकी बात नहीं मानी तो क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के कारण ही हम अपना काम ठीक तरह से नहीं कर पा रहे हैं।

लंबे समय तक लंदन में ही रहने का मन बनाया: पूनावाला इस समय लंदन में हैं। ब्रिटेन में भारतीयों की एंट्री पर बैन लगने से पहले ही वे वहां पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि मैंने लंबे समय तक यहीं रहने का मन बना लिया है। ऐसे हालात में मैं भारत वापस नहीं जाना चाहता। सब कुछ मेरे कंधों पर डाल दिया गया है, लेकिन मैं अकेला ये सब नहीं कर सकता।

भारत के बाहर भी करेंगे वैक्सीन का उत्पादन: पूनावाला ने कहा कि मैं ऐसी स्थिति में बिल्कुल भी नहीं फंसना चाहता, जहां आप अपना काम सही तरीके से करने की कोशिश कर रहे हों, फिर भी आपको डर लग रहे कि किसी ड्रू, ड्रू या' की सप्लाई पूरी नहीं हो सकी तो क्या होगा लंदन आने की वजह उनके कुछ बिजनेस प्लान भी हैं। वे भारत के बाहर भी वैक्सीन का उत्पादन करना चाहते हैं। इसमें च भी शामिल हो सकता है। कुछ ही दिनों में वे उन देशों के नाम जाहिर करेंगे।

4 दिन पहले कम किए थे वैक्सीन के दाम: 28 अप्रैल को सीरम ने कोवीशील्ड के दाम घटाए थे। पूनावाला ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि राज्यों को 400 रु. की जगह ये वैक्सीन अब 300 रु. में मिलेगी। फैसले से राज्यों के हजारों करोड़ रुपए की बचत होगी। इससे वे ज्यादा से ज्यादा वैक्सीन खरीद सकेंगे और इससे हजारों जिंदगियां बचाई जा सकेंगी।

केंद्र को 150 रुपए में दी जा रही है वैक्सीन: इससे पहले 21 अप्रैल को ही सीरम ने वैक्सीन के नए रेट फिक्स किए थे। तब प्राइवेट अस्पतालों को कोवीशील्ड वैक्सीन 600 रुपए में देने की बात कही थी। इससे पहले इन अस्पतालों को ये वैक्सीन 250 रुपए में दी जा रही थी। तब राज्यों के लिए दाम 400 रुपए तय किए गए थे।